हिन्दी

उद्देश्य

- मनुष्य के जीवन में भाषा की भूमिका को समझाना।
- प्रशिक्षुओं को बच्चों के भाषा सीखने की प्रक्रिया से अवगत कराना एवं इस प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट करना।
- विषयवस्तु से सम्बधित शिक्षण–सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित करना। हिन्दी भाषा की विषयवस्तु की समझ विकसित करना।
- हिन्दी भाषा की विषयवस्तु में प्रयोग की गयी सामग्री को बच्चों द्वारा परिवेश से एकत्रित कराने एवं दिये गये भावों को बच्चों से प्रस्तुत कराकर उनकी विषय–वस्तु में रुचि उत्पन्न कराने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षुओं को बच्चों को पढ़ने, लिखने एवं समझने के लिए प्रेरित करने हेतु कहानियॉ/ कविता बनाने एवं प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षुओं को संचार प्रौद्योगिकी एवं अन्य शिक्षण विधाओं के माध्यम से बच्चों के पठन कौशल विकास (शुद्ध उच्चारण) के लिए प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को भाषा शिक्षण का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन कराने में प्रशिक्षित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण, शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। कक्षा में कहानी का उपयोग सिखायें। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए, साथ ही उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, बताया जाए। यथासम्भव सूचना तकनीक/कम्प्यूटर के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग विधि सीख सके।

सामान्य विषय–1

हिन्दी

कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

- हिन्दी भाषा में ध्वनियों को सुनकर समझना एवं शुद्ध उच्चारण।
- देवनागरी लिपि के समस्त लिपि संकेतों, स्वर, व्यंजन, संयुक्त वर्ण, संयुक्ताक्षर, मात्राओं का ज्ञान।
- विलोम, समानार्थी, तुकान्त व समान ध्वनियों वाले शब्दों की पहचान।
- अल्प विराम, अर्धविराम, पूर्णविराम, प्रश्न वाचक, विस्मयबोधक, अवतरण चिन्ह, विराम चिन्ह का ज्ञान और उनका प्रयोग।
- लेखन शिक्षण की विधियाँ और लिखना, सीखने में ध्यान रखने योग्य बातें–बैठने का ढंग, आंखों से कागज की दूरी, कलम पकड़ने की विधि, शिरोरेखा, लिपि, अक्षर की सुडौलता और उपयुक्त नमूने, अभ्यास, सुलेख, अनुलेख श्रुतलेख।

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को हिन्दी के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, जानकारी एवं घटनाओं के अन्तः सम्बन्धों को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, खेल, गतिविधि, दृश्य–श्रव्य(वीडियो/आडियो), सामग्री, प्रयोग तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

- अक्षर, मात्रा, शब्द, स्वर, व्यंजन, संयुक्त वर्ण, संयुक्ताक्षर सिखने हेतु शिक्षण–सामग्री/मॉडल/सामग्री का निर्माण।
- अल्पविराम, अर्धविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक, विस्मयबोधक चिन्हों को स्पष्ट करने हेतु शिक्षण–सामग्री/मॉडल/सामग्री/उदाहरण का निर्माण।
- बाल कविताओं, बालगीतों, बालकथाओं व गतिविधियों का संग्रह एवं उन पर आधारित नाटक प्रस्तुत करना।
- उच्चारण के शुद्धीकरण हेतु वीडियों–आडियो सामग्री।
- कक्षा शिक्षण की दृष्टि से समाचार–पत्रों/पत्रिकाओं से सामग्री का संकलन तैयार करना।